License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

एस्तेर 1:1

क्षयर्ष ने कितने प्रान्तों पर राज्य किया?

क्षयर्ष ने भारत से लेकर कूश देश तक एक सौ सत्ताईस प्रान्तों पर शासन किया।

एस्तेर 1:3

राजा के सम्मुख में कौन थे?

प्रान्त-प्रान्त के प्रधान और हाकिम उसके सम्मुख आ गए थे, जिसका अर्थ है कि वे राजा की उपस्थिति में थे।

एस्तेर 1:5

राजा ने सात दिन तक भोज किसके लिए दिया?

राजा ने क्या छोटे क्या बड़े उन सभी की भी जो शूशन नामक राजगढ़ में इकट्ठा हुए थे, राजभवन की बारी के आँगन में सात दिन तक भोज दिया।

एस्तेर 1:7

दाखमधु इतना योग्य क्यों था?

राजा की उदारता से दाखमधु बहुतायत के साथ पिलाया जाता था। पीना तो नियम के अनुसार होता था, किसी को विवश करके नहीं पिलाया जाता था।

एस्तेर 1:8

राजा की आज्ञा उनके भवन के सब भण्डारियों के लिए क्या थे?

पीना तो नियम के अनुसार होता था, किसी को विवश करके नहीं पिलाया जाता था, क्योंकि राजा ने तो अपने भवन के सब भण्डारियों को आज्ञा दी थी, कि जो अतिथि जैसा चाहे उसके साथ वैसा ही बर्ताव करें।

एस्तेर 1:10

राजा ने उन सातों खोजों से क्या कहा जो उनके सम्मुख सेवा टहल किया करते थे?

रानी वशती को राजमुकुट धारण किए हुए राजा के सम्मुख ले आयें; जिससे कि देश-देश के लोगों और हाकिमों पर उसकी सुन्दरता प्रगट हो जाए।

एस्तेर 1:11

राजा ने अपने सम्मुख सेवा टहल करने वाले सातों खोजों से क्या कहा?

राजा ने कहा कि रानी वशती को राजमुकुट धारण किए हुए राजा के सम्मुख ले आओ; जिससे कि देश-देश के लोगों और हाकिमों पर उसकी सुन्दरता प्रगट हो जाए।

एस्तेर 1:12

राजा बड़े क्रोध से जलने क्यों लगे?

राजा बड़े क्रोध से जलने लगे क्योंकि रानी वशती ने उन खोजों के द्वारा राजा की यह आज्ञा पाकर आने से इन्कार किया।

एस्तेर 1:13

राजा ने किससे पूछा?

राजा ने उन पंडितों से पूछा, जो समय-समय का भेद जाननेवाले थे।

एस्तेर 1:16

ममूकान के अनुसार, वशती ने किसके प्रति काम किया है?

वशती रानी ने न केवल राजा से परन्तु सब हाकिमों से और उन सब देशों के लोगों से भी जो राजा क्षयर्ष के सब प्रान्तों में रहते हैं अनुचित काम किया है।

एस्तेर 1:17

ममूकान ने क्या कहा कि फारस और मादी हाकिमों की स्त्रियाँ क्या करेंगी?

ममूकान ने कहा कि रानी के इस काम की चर्चा सब स्त्रियों में होगी। जब राज्य की स्त्रियाँ जानेंगी कि रानी ने क्या किया है, तब वे भी अपने-अपने पति को तुच्छ जानने लगेंगी और कहेंगी, "राजा क्षयर्ष ने रानी वशती को अपने सामने ले आने की आज्ञा दी परन्तु वह न आई!"

एस्तेर 1:18

ममूकान ने क्या कहा कि फारस और मादी हाकिमों की स्त्रियाँ उस दिन क्या करेंगी?

रानी के इस काम की चर्चा सब स्त्रियों में होगी और जब यह कहा जाएगा, 'राजा क्षयर्ष ने रानी वशती को अपने सामने ले आने की आज्ञा दी परन्तु वह न आई,' तब वे भी अपने-अपने पति को तुच्छ जानने लगेंगी। आज के दिन फारस और मादी हाकिमों की स्त्रियाँ जिन्होंने रानी की यह बात सुनी है तो वे भी राजा के सब हाकिमों से ऐसा ही कहने लगेंगी; इस प्रकार बहुत ही घृणा और क्रोध उत्पन्न होगा।

एस्तेर 1:19

रानी वशती का पटरानी का पद किसे दिया जाएगा?

राजा पटरानी का पद किसी दूसरी को दे देंगे जो उससे अच्छी हो।

एस्तेर 1:22

राजा ने क्या आदेश दिया?

राजा ने चिट्ठियाँ भेजीं, कि सब पुरुष अपने-अपने घर में अधिकार चलाएँ, और अपनी जाति की भाषा बोला करें।

एस्तेर 2:2

राजा के सेवक जो उसके टहलुए थे, क्या कहने लगे?

राजा के सेवकों ने सुझाव दिया कि वे राजा के लिये सुन्दर तथा युवा कुँवारियाँ ढूँढे।

एस्तेर 2:3

कुँवारियों को किसे सौंपा जाएगा?

कुँवारियों को हेगे के हाथ में सौंपा जाएगा, जो राजा का खोजा था और स्त्रियों का प्रबन्धक भी। इसका अर्थ यह है कि हेगे वह व्यक्ति थे जो कुँवारियों की देखभाल के लिए जिम्मेदार थे।

एस्तेर 2:6

कीश को यरूशलेम से कौन ले गया था?

नबूकदनेस्सर, बाबेल के राजा, कीश को यरूशलेम से ले गया था।

एस्तेर 2:7

एस्तेर का दूसरा नाम क्या था?

एस्तेर का दूसरा नाम हदास्सा था।

एस्तेर 2:7 (#2)

एस्तेर का मोर्दकै से क्या सम्बन्ध था?

एस्तेर मोर्दकै के चाचा की पुत्री थीं।

एस्तेर 2:9

हेगे ने एस्तेर को क्या दिया?

हेगे ने तुरन्त उसे शुद्ध करने की वस्तुएँ, और उसका भोजन, और उसके लिये चुनी हुई सात सहेलियाँ भी दीं।

एस्तेर 2:10

एस्तेर ने किसी को यह क्यों नहीं बताया कि उनकी जाति या उनका कुल क्या था?

एस्तेर ने अपनी जाति नहीं बताई थी, या अपना कुल नहीं बताया, क्योंकि मोर्दकै ने उन्हें यह निर्देश दिया था कि वह इसे न बताएँ।

एस्तेर 2:13

जब एक कन्या राजा के पास जाती थी, तो उसको किया दिया जाता था?

जो कुछ वह चाहती थी, वह उन्हें दिया जाता था।

एस्तेर 2:14

वह कन्या राजा के पास फिर कब जाती थी?

वह राजा के पास फिर नहीं जाती थी जब तक कि राजा प्रसन्न होकर नाम लेकर न बुलाएँ।

एस्तेर 2:15

एस्तेर ने क्या माँगा?

जो कुछ स्त्रियों के प्रबन्धक राजा के खोजे हेगे ने उसके लिये ठहराया था, उससे अधिक उसने और कुछ न माँगा।

एस्तेर 2:16

एस्तेर को राजा क्षयर्ष के पास कब ले जाया गया?

अतः एस्तेर राजभवन में राजा क्षयर्ष के पास उसके राज्य के सातवें वर्ष के तेबेत नामक दसवें महीने में पहुँचाई गई।

एस्तेर 2:17

राजा ने एस्तेर के सिर पर राजमुकुट क्यों रखा और उन्हें रानी क्यों बनाया?

राजा ने एस्तेर को और सब स्त्रियों से अधिक प्यार किया, और अन्य सब कुँवारियों से अधिक उसके अनुग्रह और कृपा की दृष्टि उसी पर हुई। इस कारण उसने उसके सिर पर राजमुकुट रखा और उसको वशती के स्थान पर रानी बनाया।

एस्तेर 2:21

बिगताना और तेरेश राजा क्षयर्ष के विरुद्ध क्या करने का प्रयास कर रहे थे?

राजा के द्वारपाल बिगताना और तेरेश, जो राजा के दो खोजे थे, राजा से रूठ गए थे। और उन्होंने राजा क्षयर्ष पर हाथ चलाने की युक्ति की।

एस्तेर 2:23

बिगताना और तेरेश के साथ क्या हुआ?

उन दोनों को वृक्ष पर लटका दिया गया।

एस्तेर 3:2

हामान के सामने झुककर दण्डवत् करने वाले कौन थे?

राजा के सब कर्मचारी राजा के फाटक में रहा करते थे और हामान को झुककर दण्डवत् किया करते थे।

एस्तेर 3:4

मोर्दकै ने क्या करने से मना कर दिया?

मोर्दकै न तो झुकता था और न उसको दण्डवत् करता था।

एस्तेर 3:6

हामान किसे मारना चाहता था?

हामान ने मोर्दकै के लोगों, अर्थात सभी यहूदियों को, जो क्षयर्ष के पूरे राज्य में थे, विनाश कर डालने की युक्ति निकाली।

एस्तेर 3:8

जब उन्होंने चिट्ठियाँ डालीं, तो उन्होंने कौन सा महीना चुना था?

पहले महीने में, जो नीसान का महीना है, राजा क्षयर्ष के बारहवें वर्ष में, हामान के सामने दिन-प्रतिदिन और महीने-प्रतिमाह एक "पूर" अर्थात् चिट्ठी डाला गया: अदार नामक बारहवें महीने तक।

एस्तेर 3:9

यदि राजा यहूदियों को मारने की आज्ञा देते, तो हामान राजा के राजभण्डार में कितने रुपये-पैसे डालने के लिए तैयार था?

हामान ने कहा कि वह भण्डारियों के हाथ में दस हजार किक्कार चाँदी देंगे, ताकि राजभण्डार में लाया जा सके।

एस्तेर 3:13

राज्य के सब प्रान्तों में चिट्ठियाँ कैसे भेजी गई?

राज्य के सब प्रान्तों में इस आशय की चिट्ठियाँ हर डाकियों के द्वारा भेजी गई।

एस्तेर 3:15

शूशन गढ़ ने उस आज्ञा पर क्या प्रतिक्रिया दी?

शूशन नगर में घबराहट फैल गई।

एस्तेर 4:2

मोर्दकै कितनी दूर गए? क्यों?

और वे केवल राजभवन के फाटक के सामने तक आए, क्योंकि टाट पहने हुए राजभवन के फाटक के भीतर तो किसी के जाने की आज्ञा न थी।

एस्तेर 4:4

जब एस्तेर ने मोर्दकै के लिये वस्त्र भेजे, तो उसने क्या प्रतिक्रिया दी?

और उन्होंने मोर्दकै के पास वस्त्र भेजे ताकि वह उन्हें पहन सकें और अपने ऊपर से टाट हटा ले, लेकिन उन्होंने स्वीकार नहीं किया।

एस्तेर 4:7

मोर्दकै ने हताक को क्या सूचना दी?

मोर्दकै ने उसको सब कुछ बता दिया कि उसके ऊपर क्या-क्या बीता था, और हामान ने यहूदियों के नाश करने की अनुमति पाने के लिये राजभण्डार में कितनी चाँदी भर देने का वचन दिया है, यह भी ठीक-ठीक बता दिया।

एस्तेर 4:8

मोर्दकै ने यहूदियों के विनाश के लिए शूशन में जारी किए गए आज्ञा की एक नकल हताक को क्यों दी?

फिर यहूदियों को विनाश करने की जो आज्ञा शूशन में दी गई थी, उसकी एक नकल भी उसने हताक के हाथ में, एस्तेर को दिखाने के लिये दी, और उसे सब हाल बताने, और यह आज्ञा देने को कहा, कि भीतर राजा के पास जाकर अपने लोगों के लिये गिड़गिड़ाकर विनती करे।

एस्तेर 4:11

यदि कोई पुरुष या महिला बिना आज्ञा पाए राजा के भीतरी आँगन में प्रवेश करते, तो क्या होता?

नियम यह था कि कोई भी पुरुष या महिला जो बिना आज्ञा पाए राजा के भीतरी आँगन में जाते हैं, उसके मार डालने ही की आज्ञा है, केवल जिसकी ओर राजा सोने का राजदण्ड बढ़ाए वही बचता है।। ऐसी स्थिति में उस व्यक्ति को जीवित रहने की अनुमति दी जाती थी।

एस्तेर 4:14

मोर्दकै ने कहा कि यदि एस्तेर उस समय चुपचाप रहतीं तो क्या होता?

क्योंकि जो तू इस समय चुपचाप रहे, तो और किसी न किसी उपाय से यहूदियों का छुटकारा और उद्धार हो जाएगा, परन्तु तू अपने पिता के घराने समेत नाश होगी।

एस्तेर 4:16

एस्तेर ने मोर्दकै से क्या करने के लिए कहा?

तू जाकर शूशन के सब यहूदियों को इकट्ठा कर, और तुम सब मिलकर मेरे निमित्त उपवास करो, तीन दिन-रात न तो कुछ खाओ, और न कुछ पीओ। और मैं भी अपनी सहेलियों सहित उसी रीति उपवास करूँगी [c] । और ऐसी ही दशा में मैं नियम के विरुद्ध राजा के पास भीतर जाऊँगी; और यदि नाश हो गई तो हो गई।

एस्तेर 5:1

राजा के राजभवन का भीतरी आँगन कहाँ स्थित था?

राजा के राजभवन का भीतरी आँगन राजा के राजभवन के सामने था।

एस्तेर 5:2

जब राजा ने रानी एस्तेर को आँगन में खड़ा देखा, तो उन्होंने उसके प्रति कृपा दिखाते हुए स्वर्ण राजदण्ड बढ़ाया।

जैसे ही राजा ने एस्तेर रानी को आँगन में खड़ा देखा, तो राजा उनसे प्रसन्न हुआ।

एस्तेर 5:4

एस्तेर ने राजा से क्या अनुरोध किया?

यदि राजा को स्वीकार हो, तो आज हामान को साथ लेकर उस भोज में आए, जो मैंने राजा के लिये तैयार किया है।

एस्तेर 5:8

एस्तेर ने राजा से दूसरी बार क्या अनुरोध किया?

यदि राजा मुझ पर प्रसन्न है और मेरा निवेदन सुनना और जो वरदान मैं माँगू वही देना राजा को स्वीकार हो, तो राजा और हामान कल उस भोज में आएँ जिसे मैं उनके लिये करूँगी, और कल मैं राजा के इस वचन के अनुसार करूँगी।

एस्तेर 5:11

हामान ने अपने परिवार को क्या बताया?

तब हामान ने, उनसे अपने धन का वैभव, और अपने बाल-बच्चों की बढ़ती और राजा ने उसको कैसे-कैसे बढ़ाया, और सब हाकिमों और अपने सब कर्मचारियों से ऊँचा पद दिया था, इन सब का वर्णन किया।

एस्तेर 5:13

हामान को क्या महसूस हुआ कि भोज में आमंत्रित होने से अधिक महत्वपूर्ण क्या था?

तो भी जब जब मुझे वह यहूदी मोर्दकै राजभवन के फाटक में बैठा हुआ दिखाई पड़ता है, तब-तब यह सब मेरी दृष्टि में व्यर्थ लगता है।

एस्तेर 5:14

जेरेश ने हामान से क्या बनवाने के लिए कहा और क्यों?

पचास हाथ ऊँचा फांसी का एक खम्भा बनाया जाए, और सवेरे को राजा से कहना, कि उस पर मोर्दकै लटका दिया जाए।

एस्तेर 6:1

राजा ने दासों को इतिहास की पुस्तक लाने का आदेश क्यों दिया?

उस रात राजा को नींद नहीं आई, इसलिए उसकी आज्ञा से इतिहास की पुस्तक लाई गई।

एस्तेर 6:2

राजा को पढ़कर सुनाई गई इतिहास की पुस्तक में क्या लिखा हुआ पाया गया?

उसमें यह लिखा हुआ मिला, कि जब राजा क्षयर्ष के हाकिम जो द्वारपाल भी थे, उनमें से बिगताना और तेरेश नामक दो जनों ने उस पर हाथ चलाने की युक्ति की थी उसे मोर्दकै ने प्रगट किया था।

एस्तेर 6:3

बिगताना और तेरेश के बारे में राजा को सूचित करने के लिए मोर्दकै की क्या प्रतिष्ठा और बड़ाई की गई??

बिगताना और तेरेश के बारे में राजा को बताने के लिए मोर्दकै की कोई प्रतिष्ठा और बड़ाई नहीं की गई थी।

एस्तेर 6:6

जब राजा ने हामान से पूछा कि जिस मनुष्य की प्रतिष्ठा राजा करना चाहता हो तो उसके लिये क्या करना उचित होगा, तो हामान ने क्या सोचा कि राजा किसके बारे में बात कर रहे हैं?

हामान ने यह सोचा, कि मुझसे अधिक राजा किसकी प्रतिष्ठा करना चाहता होगा?

एस्तेर 6:9

उस व्यक्ति को कौन वस्त्र पहनाएगा और घोड़े पर सवार करके, नगर के चौक में उसे फिराएगा जिसकी प्रतिष्ठा राजा करना चाहता हो?

राजा के किसी बड़े हाकिम को यह कार्य सौंपा जाएगा।

एस्तेर 6:11

किसने मोर्दकै को तैयार किया और उन्हें घोड़े पर नगर के चौक में घुमाया?

तब हामान ने उस वस्त्र, और उस घोड़े को लेकर, मोर्दकै को पहनाया, और उसे घोड़े पर चढ़ाकर, नगर के चौक में इस प्रकार पुकारता हुआ घुमाया, “जिसकी प्रतिष्ठा राजा करना चाहता है उसके साथ ऐसा ही किया जाएगा।"

एस्तेर 6:13

हामान के बुद्धिमान मित्रों और उसकी पत्नी ने उसे किस विषय में चेतावनी दी?

मोर्दकै जिसे तू नीचा दिखाना चाहता है, यदि वह यहूदियों के वंश में का है, तो तू उस पर प्रबल न होने पाएगा उससे पूरी रीति नीचा हो जाएगा।

एस्तेर 7:3

एस्तेर ने राजा क्षयर्ष से क्या अनुरोध किया?

मेरे निवेदन से मुझे, और मेरे माँगने से मेरे लोगों को प्राणदान मिले।

एस्तेर 7:4

एस्तेर ने क्या कहा कि यदि उसके लोगों को दास-दासी हो जाने के लिये बेचा जाता तो वह क्या करती?

यदि हम केवल दास-दासी हो जाने के लिये बेच डाले जाते, तो मैं चुप रहती।

एस्तेर 7:6

एस्तेर ने किसे "विरोधी" और "शत्रु" के रूप में वर्णित किया?

वह विरोधी और शत्रु यही दुष्ट हामान है।

एस्तेर 7:7

जब राजा दाखमधु पीने से क्रोधित होकर उठे, तब हामान ने क्या किया?

हामान एस्तेर रानी से प्राणदान माँगने को खड़ा हुआ।

एस्तेर 7:8

जब हामान उसी चौकी पर जिस पर एस्तेर बैठी है झुक रहा था, तो राजा ने क्या सोचा कि हामान क्या कर रहा था?

राजा ने सोचा कि हामान रानी से बरबस करना चाहता है। इसका अर्थ है कि राजा ने सोचा कि हामान रानी के प्रति अनुचित व्यवहार करने का प्रयास कर रहा था।

एस्तेर 7:9

राजा ने हामान को कहाँ फांसी देने के लिए कहा?

राजा ने आदेश दिया कि हामान को उसी खम्बे पर लटकाया जाए जो हामान ने मोर्दकै के लिए तैयार किया था, जो हामान के घर पर पचास हाथ ऊँचा खड़ा था।

एस्तेर 8:1

मोर्दकै ने राजा की सेवा क्यों शुरू की?

और मोर्दकै राजा के सामने आए, क्योंकि एस्तेर ने राजा को बताया था, कि उससे उसका क्या नाता था।

एस्तेर 8:2

मोर्दकै को हामान के घरबार पर अधिकारी क्यों नियुक्त कर दिया गया?

एस्तेर ने मोर्दकै को हामान के घरबार पर अधिकारी नियुक्त कर दिया।

एस्तेर 8:4

राजा ने क्या किया ताकि एस्तेर उनके सामने उठकर खड़ी हुई?

तब राजा ने एस्तेर की ओर सोने का राजदण्ड बढ़ाया। तब एस्तेर उठकर राजा के सामने खड़ी हुई।

एस्तेर 8:5

हामान ने कौनसी चिट्ठियाँ लिखाई थीं?

हामान ने राजा के सब प्रान्तों के यहूदियों को नाश करने की युक्ति करके चिट्ठियाँ लिखाई थीं।

एस्तेर 8:8

एस्तेर को यहूदियों के लिए राजा के नाम पर एक और चिट्ठी लिखने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

एस्तेर को एक और चिट्ठी लिखवानी पड़ी क्योंकि राजा के नाम से लिखे गए और राजा की मुहर वाली अंगूठी की छाप लगाई गई चिट्ठी को कोई भी पलट नहीं सकता।

एस्तेर 8:9

राजा के लेखक कब बुलवाए गए थे?

उसी समय अर्थात् सीवान नामक तीसरे महीने के तेईसवें दिन को राजा के लेखक बुलवाए गए।

एस्तेर 8:11

राजा ने यहूदियों को क्या करने की अनुमति दी?

सब नगरों के यहूदियों को राजा की ओर से अनुमति दी गई, कि वे इकट्ठे हों और अपना-अपना प्राण बचाने के लिये तैयार होकर, जिस जाति या प्रान्त के लोग अन्याय करके उनको या उनकी स्त्रियों और बाल-बच्चों को दुःख देना चाहें, उनको घात और नाश करें, और उनकी धन-सम्पत्ति लूट लें।

एस्तेर 8:17

उस देश के लोगों में से बहुत लोग यहूदी क्यों बने?

उस देश के लोगों में से बहुत लोग यहूदी बन गए, क्योंकि उनके मन में यहूदियों का डर समा गया था।

एस्तेर 9:2

यहूदियों का सामना कोई क्यों न कर सका?

कोई उनका सामना न कर सका, क्योंकि उनका भय देश-देश के सब लोगों के मन में समा गया था।

एस्तेर 9:5

यहूदियों ने अपने शत्रुओं के साथ क्या किया?

अतः यहूदियों ने अपने सब शत्रुओं को तलवार से मारकर और घात करके नाश कर डाला, और अपने बैरियों से अपनी इच्छा के अनुसार बर्ताव किया।

एस्तेर 9:12

यहूदियों ने किसको घात करके नाश किया?

यहूदियों ने शूशन राजगढ़ ही में पाँच सौ मनुष्यों और हामान के दसों पुत्रों को भी घात करके नाश कर दिया।

एस्तेर 9:13

हामान के दस पुत्रों के शवों का क्या हुआ?

"हामान के दसों पुत्र फांसी के खम्भों पर लटकाए जाएँ।" और राजा ने आज्ञा दी। शूशन में एक आज्ञा दी गई, और उन्होंने हामान के दसों पुत्र फांसी के खम्भों पर लटकाया।

एस्तेर 9:15

यहूदियों ने अदार महीने के चौदहवें दिन को कितने पुरुषों को घात किया?

शूशन के यहूदियों ने अदार महीने के चौदहवें दिन को भी इकट्ठे होकर शूशन में तीन सौ पुरुषों को घात किया।

एस्तेर 9:17

राज्य के अन्य प्रान्तों में यहूदियों ने अदार महीने के तेरहवें दिन को क्या किया?

अदार महीने के चौदहवें दिन को उन्होंने विश्राम करके भोज किया और आनन्द का दिन ठहराया।

एस्तेर 9:18

शूशन के यहूदी अदार महीने के पन्द्रहवें दिन को आनन्द और भोज का दिन क्यों मनाते हैं?

परन्तु शूशन के यहूदी अदार महीने के तेरहवें दिन को, और उसी महीने के चौदहवें दिन को इकट्ठा हुए, और उसी महीने के पन्द्रहवें दिन को उन्होंने विश्राम करके भोज का और आनन्द का दिन ठहराया।

एस्तेर 9:19

देहाती यहूदी, जो बिना शहरपनाह की बस्तियों में रहते हैं, अदार महीने के चौदहवें दिन को क्या करते हैं?

वे अदार महीने के चौदहवें दिन को आनन्द और भोज का दिन बनाते हैं, इसे एक शुभ दिन मानते हैं, और भोजन सामग्री अपने मित्रों को भेजते हैं।

एस्तेर 9:20–21

मोर्दकै ने यहूदियों को अदार के चौदहवें और पन्द्रहवें दिन को प्रतिवर्ष मनाने के लिए बाध्य कैसे किया?

मोर्दकै ने यहूदियों को अदार महीने के चौदहवें और उसी महीने के पन्द्रहवें दिन को प्रतिवर्ष माना करें, जिसका अर्थ है प्रत्येक वर्ष।

एस्तेर 9:24

पूर का क्या मतलब होता है?

पूर का अर्थ है "चिट्ठी।"

एस्तेर 9:28

यहूदी और उनकी पीढ़ी पूरिम के इन दिनों का विश्वासयोग्यता से पालन करना क्यों बन्द नहीं करेंगे?

और पीढ़ी-पीढ़ी, कुल-कुल, प्रान्त-प्रान्त, नगर-नगर में ये दिन स्मरण किए और माने जाएँगे। और पूरीम नाम के दिन यहूदियों में कभी न मिटेंगे और उनका स्मरण उनके वंश से जाता न रहेगा।

एस्तेर 10:1

राजा क्षयर्ष ने कर कहाँ लगाया था?

राजा क्षयर्ष ने देश और समुद्र के टापुओं पर कर लगाया।

एस्तेर 10:2

राजा क्षयर्ष के माहात्म्य और पराक्रम के कामों का पूरा ब्योरा कहाँ लिखा गया है?

उसके माहात्म्य और पराक्रम के कामों, और मोर्दकै की उस बड़ाई का पूरा ब्योरा, जो राजा ने उसकी की थी, क्या वह मादै और फारस के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?

एस्तेर 10:3

यहूदी मोर्दकै का क्या पद था?

यहूदी मोर्दकै, क्षयर्ष राजा ही के बाद था।

एस्तेर 10:3 (#2)

यहूदियों की दृष्टि में मोर्दकै बड़े क्यों थे और उनके सब भाई उनसे प्रसन्न क्यों थे?

यहूदी मोर्दकै, क्षयर्ष राजा ही के बाद था, और यहूदियों की दृष्टि में बड़ा था, और उसके सब भाई उससे प्रसन्न थे, क्योंकि वह अपने लोगों की भलाई की खोज में रहा करता था और अपने सब लोगों से शान्ति की बातें कहा करता था।